खबर संक्षेप

अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद् ने न्यायालय परिसर में खोला प्याऊ

शहडोल हरिभूमि न्यूज । जिला न्यायालय परिसर में स्थित शंकर मंदिर में अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर शक्ति सिंह चंदेल प्रांत प्रवक्ता एएचपी प्रांत महामंत्री राष्ट्रीय बजरंग दल के सौजन्य से एडवोकेट रमेश त्रिपाठी प्रांत महामंत्री एएचपी, विजय बहादुर सिंह जिला अध्यक्ष एडवोकेट फोरम शहडोल, एडवोकेट राम मणि शुक्ला, एडवोकेट स्वदेश तिवारी, एडवोकेट भानु प्रताप नापित, एडवोकेट प्रहलाद कुमार मिश्रा, एडवोकेट एन के त्रिपाठी, की उपस्थिति में सभी आम जनों के लिए प्याऊ की व्यवस्था की गई ।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत लोगों ने किया श्रमदान

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में शहडोल जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान प्रगति पर है। जल गंगा संवर्धन अभियान अब जन अभियान बनता जा रहा है । जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जनप्रतिनिधि,व्यापारी, गणमान्य नागरिक, जन अभियान परिषद, स्वयं सेवी , समाजसेवी जल का संरक्षण करने का संदेश दे रहे है । जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वाधान में विकासखण्ड सोहागपुर में आज ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति पिपरिया में पंचायत भवन के समीप तालाब की साफ सफाई की गई। तालाब साफ-सफाई में पिपरिया ग्राम की सरपंच श्रीमती मुन्नी कोल, उप सरपंच संदीप गौतम, विनोद प्रताप सिंह, विकासखंड समन्वयक प्रिया सिंह बघेल प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष एवं सचिव महेंद्र यादव रंग बिहारी कोल, राजेश कोल एवं अन्य ग्रामवासी उपस्थित रहे।

जल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए कर रहे श्रमदान

शहडोल। जल की एक-एक बूंद अमृत के समान है जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान 30 अप्रैल तक कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में चलाया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मंगलवार को विकासखंड बुढार के ग्राम सेमरा में तालाब की सफाई की गई और चौपाल लगाकर ग्राम वासियों को जल संरक्षण और सफाई के विषय में बताया गया। श्रम दान कराया किया गया, जिसमें ग्राम वासियों ने बढ़ चढ़ के श्रम दान किया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सदस्य व नवांकुर समिति से मीनू जैन,मेंटर पूर्णिमा मुखर्जी,आनन्द यादव, जल जीवन मिशन के जिला समन्वयक रोहिणी कुमार वर्मन सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

पक्षियों की प्यास बुझाने लोगो ने रखे सकोरे

शहडोल। ग्रीष्म ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए जानवरों एवं पशुओं को पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित हो सके इसके लिए लोगों ने गहरवार ढाबा (एन एच 43) ,न्यू बस स्टैंड, मेवाड़ हॉस्पिटल के पीछे, गायत्री मंदिर बूढ़ी मंदिर, एम पी ई बी कॉलोनी कोटमा तिराहा एफ़ सी आई गोदाम पास सकोरे रखे। उक्त कार्य में गौरव राल्ही मिश्रा, प्रभाकर मिश्र, प्रकाश सेन, देवेंद्र श्रीवास्तव ,रूपेश मिश्रा, सार्थक मिश्रा, शिवनाथ द्विवेदी , अमर सोनी, अजय, आशीष, राज सहित अन्य लोगों ने अपनी भूमिका निभाई।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में 70 कन्याओं का विवाह संपन्न

जिला प्रशासन बना मेजबान और जन प्रतिनिधि बने बराती

जयसिंहनगर में ढोल-ढमाके, बाजे-गाजे, आतिशबाजी के साथ निकली बारात

शहडोल हरिभूमि न्यूज । मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह, निकाह योजना अंतर्गत जिले के जयसिंहनगर के हनुमान मंदिर प्रांगण में सामूहिक विवाह का आयोजन सम्पन्न हुआ। आयोजन में 70 जोड़ों का विवाह वैदिक रीति रिवाज एवं मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के आयोजन कि जिम्मेवारी जिला प्रशासन सम्हाल रहा था। वहीं जनप्रतिनिधि एवं आम जन बाराती थे। जयसिंहनगर के हनुमान मंदिर प्रांगण में सुबह से ही खुशनुमा माहौल था। ग्रामीण जन अतिथियों के स्वागत सत्कार की व्यवस्था में जुड़े हुए थें। घराती एवं बाराती पक्ष अपने मेहमानों के साथ कार्यक्रम स्थल में पहुंच रहे थे।

वैदिक परंपरा से हुआ विवाह ढोल ढमाके, बाजे,गाजे के साथ बारात निकली, जिसकी अगुआई जिला प्रशासन की तरफ से कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नरेंद्र सिंह धुर्वे, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जयसिंहनगर श्रीमती प्रगति वर्मा, तहसीलदार जयसिंहनगर श्रीमती सुषमा धुर्वे, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुद्रिका सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जयसिंहनगर अशोक मरावी, एपीओ मनोज मिश्रा द्वारा की गई। सात फेरों एवं मत्रोच्चारण के साथ वैदिक परंपरा के अनुसार 70 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। अतिथियों द्वारा नव वर-वधू को राज्य सरकार के प्रावधान के अनुरूप 49 हजार रूपये के चेक भेंट किए गए। जो नव दम्पत्ति को गृहस्थी के सामान एवं अन्य कार्यों के लिए व्यय किए जा सकेंगे।

विवाह की संपूर्ण जिम्मेदारी सरकार की

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार गरीब परिवारों की कन्याओं के विवाह की जवाबदारी अपने हाथों में ले रखी है। कन्याओं का विवाह पूरे उत्साह के साथ आयोजित किया गया। अब कन्या विवाह के लिए अभिभावकों को अपनी जमीन या जायजाद गिरवी रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी। कन्या पक्ष वर तलाश कर ऑनलाइन आवेदन करें। विवाह की सम्पूर्ण जिम्मेवारी राज्य सरकार की होगी। आयोजित सामूहिक विवाह में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रभा मिश्रा, जनपद अध्यक्ष जनपद पंचायत जयसिंहनगर श्रीमती मालती सिंह, नगर नगर परिषद अध्यक्ष जयसिंहनगर श्रीमती सुशीला शुक्ला, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत जयसिंहनगर श्रीमती रक्षा शिबू सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि , अधिकारी एवं कर्मचारी एवं काफी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले को 10 वर्ष की सजा

शहडोल हरिभूमि न्यूज । एक महिला को शादी का सपना दिखाकर उसके साथ शारीरिक शोषण करने वाले पुलिस आरक्षक को कोर्ट ने दोषी करार देते हुए 10 वर्ष के कठोर कारावास और 10,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। डीएनए रिपोर्ट ने इस झूठे प्यार की कहानी की परतें उधेड़ दीं।

यह है पूरा मामला

वर्ष 2022 में जब फरियादिया धनपुरी थाना अपने सम्मन के सिलसिले में गई थी, वहीं उसकी मुलाकात आरोपी पुलिस आरक्षक ज्ञानेन्द्र सिंह से हुई। दोनों में जान-पहचान के बाद दोनों में बातचीत शुरू हुई, आरोपी पुलिसकर्मी ने खुद को अविवाहित बताकर महिला से शादी का वादा किया और उसे किराए के मकान में रखकर कई जगहों पर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए, जब फरियादिया ने बार-बार शादी की बात की, तो आरोपी टालमटोल करता रहा और उसे मारपीट कर चुप कराता रहा, इस दौरान महिला गर्भवती हो गई और एक बेटे को जन्म दिया, सारा सच तब सामने आया जब आरोपी की पहली पत्नी और बच्चे उसी मकान में आ गए, महिला को पता चला कि आरोपी पहले से शादीशुदा है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। डीएनए रिपोर्ट ने पुष्टि की कि बच्चा आरोपी का ही जैविक पुत्र है।

न्यायालय का निर्णय

न्यायालय ने अपने निर्णय में लिखा है कि आरोपी ने महिला को झूठा शादी का वादा कर उसकी सहमति प्राप्त की, जबकि वह पहले से शादीशुदा था और ऐसा विवाह कानूनन संभव नहीं था। अदालत ने फरियादिया की गवाही को विश्वसनीय मानते हुए आरोपी को दोषी ठहराया। सत्र न्यायालय शहडोल ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले पुलिस आरक्षक को कठोर सजा सुनाई है। आरोपी ज्ञानेन्द्र सिंह को धारा 376(2)(एन) के तहत 10 वर्ष के कठोर कारावास और 10,000 के जुर्माने से दंडित किया गया। लोक अभियोजक सुरेश जेठानी ने शासन की ओर से प्रभावी पैरवी की।

किसानों से धोखाधड़ी करने वाला मुख्य आरोपी गिरफ्तार

किराए पर ले गए चार ट्रैक्टर पुलिस ने किया बरामद

शहडोल। हरिभूमि न्यूज । जिले में किसानों से किराए पर ट्रैक्टर लेकर धोखाधड़ी करने वाले एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह मामला तब सामने आया जब पीड़ित राहुल साहू ने शिकायत दर्ज कराई कि बहादुर गरासिया नामक व्यक्ति ने उसका ट्रैक्टर किराए पर लिया और बाद में उसे चोरी कर लिया। जांच में यह खुलासा हुआ कि आरोपी ने अन्य किसानों से भी इसी तरह की धोखाधड़ी की थी, जिससे क्षेत्र में किसान समुदाय में चिंता का माहौल व्याप्त हो गया है। पुलिस ने चार ट्रैक्टर जब्त किए हैं और एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, वहीं एक की तलाश जारी है। 11 फरवरी 2023 को पीड़ित राहुल साहू जो ग्राम मसियारी का निवासी है, उसने जयसिंहनगर थाना में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि बहादुर गरासिया, जो कुंडखेड़ा, जिला नीमच का निवासी है, उसने किराए पर ट्रैक्टर लिया और फिर उसे वापस नहीं किया। इसके बाद, पुलिस ने जांच शुरू की और पाया कि गरासिया ने पप्पू चंदेल के

साथ मिलकर शहडोल एवं उमरिया के कुल सात किसानों से ट्रैक्टर किराए पर लेकर धोखाधड़ी की है।पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी बहादुर गरासिया उम्र 48 वर्ष को नीमच से गिरफ्तार कर लिया है। इसके अलावा पुलिस चार बिना नंबर के ट्रैक्टरों को सतना और नीमच से बरामद किया है। राहुल साहू ने कहा कि मैंने कभी सोचा नहीं था कि मुझे अपना ट्रैक्टर किराए पर देने पर धोखाधड़ी का शिकार होना पड़ेगा। अब मुझे उम्मीद है कि पुलिस इस मामले में पूरी सच्चाई सामने लाएगी। हालांकि, कुछ स्थानीय किसान इस मामले को लेकर पुलिस कार्रवाई की प्रशंसा कर रहे हैं। वहीं कुछ लोग यह भी आशंका व्यक्त कर रहे हैं कि ऐसे धोखाधड़ी के मामलों में और भी आरोपी हो सकते हैं।

इनका कहना है...

शिकायत पर जांच की गई जांच में चीज स्पष्ट हुई ,जिसके बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर दो विशेष टीमों का गठन किया गया और आरोपियों के ठिकाने पर टीम पहुंची और वहां से आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। मामले की जांच अभी जारी है।

एस.पी.चतुर्वेदी
थाना प्रभारी, जयसिंहनगर

टाइगर रिजर्व में वन कर्मियों को मिला आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण

उमरिया हरिभूमि न्यूज। वन्यजीव संरक्षण और जंगलों की निगरानी अब और भी प्रभावी और तकनीकी रूप से उन्नत हो रही है। इसी दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के ताला ईको सेंटर में थर्मल इमेजिंग ड्रोन संचालन का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण भोपाल से आई टीम द्वारा प्रदान किया गया, जिसका नेतृत्व एयर कोमोडोर (से.नि.) राजीव मित्तल ने किया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य वन क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करना, वन्यजीवों की निगरानी और आपातकालीन परिस्थितियों में रेस्क्यू ऑपरेशन को तेज व सटीक बनाना रहा। थर्मल इमेजिंग ड्रोन की सहायता से अब रात के अंधेरे या घने जंगलों में भी जानवरों की गतिविधियों को ट्रैक करना आसान हो सकेगा। इसके अतिरिक्त, संवेदनशील क्षेत्रों में रियल टाइम मॉनिटरिंग द्वारा किसी भी अवैध गतिविधि या खतरे की तुरंत पहचान कर उस पर कार्रवाई की जा सकेगी।

इस प्रशिक्षण सत्र में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व, संजय टाइगर रिजर्व, दक्षिण शहडोल वन मंडल, उत्तर शहडोल वन मंडल, रीवा वन मंडल और मंदसौर वन मंडल से आए अधिकारी एवं वनकर्मी शामिल हुए। सभी प्रतिभागियों को ड्रोन के तकनीकी संचालन, निगरानी की कार्यप्रणाली, थर्मल कैमरा तकनीक की उपयोगिता और रेस्क्यू अभियानों में इसके व्यावहारिक उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान वनकर्मियों ने थर्मल ड्रोन की सहायता से वाइल्डलाइफ मॉनिटरिंग, रेस्क्यू ऑपरेशन और रात्रिकालीन गश्त जैसे कार्यों की प्रैक्टिकल ट्रेनिंग ली। इससे न केवल उनकी तकनीकी दक्षता बढ़ी बल्कि फील्ड में आने वाली वास्तविक परिस्थितियों से निपटने की उनकी क्षमता भी सुदृढ़ हुई।

कार्यक्रम के दौरान टीम द्वारा ड्रोन तकनीक से जुड़ी चुनौतियों और संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों का मानना है कि थर्मल इमेजिंग ड्रोन तकनीक वन्यजीवों की सुरक्षा, जंगलों की निगरानी और अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण में एक गेम-चेंजर साबित हो सकती है। सूत्रों के अनुसार, अगले दिन वन परिक्षेत्र ताला में फील्ड डेमो के रूप में ड्रोन संचालन का और अधिक व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसमें प्रतिभागी कर्मियों को रियल टाइम सिचुएशन में ड्रोन के उपयोग की विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

24 घंटे के अंदर चोरी के प्रकरण का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

उमरिया हरिभूमि न्यूज । 29 अप्रैल को फरियादिया श्रीमती सुमित्रा बाई महोबिया पति गोमती प्रसाद महोबिया उम्र 45 वर्ष निवासी क्वार्टर नंबर 51 /2 द्वारा पाली थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उनके घर के अंदर अलमारी में रखी सोने चांदी की जेवरात सतीश कुमार महोबिया पिता खुशीराम महोबिया उम्र 41 वर्ष निवासी ग्राम झरेला थाना बड़वारा जिला कटनी के द्वारा चोरी लिये गये है । फरियादिया की रिपोर्ट पर थाना पाली में धारा 331(4), 305 (ए), 317(2) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया, विवेचना के दौरान आरोपी की पता तलाश के लिए भौतिक एवं तकनीकी साक्ष्य एकत्रित किये गये साथ आरोपी के होने के संभावित स्थान पर तत्काल टीम रवाना की गई । पुलिस टीम द्वारा अपनी सूझबूझ से कार्यवाही करते हुए मामले में संलिप्त आरोपी सतीश कुमार महोबिया पिता गोमती प्रसाद महोबिया उम्र 41 वर्ष निवासी ग्राम झलेरा थाना बड़वारा जिला कटनी को पकड़ा गया, जिसके द्वारा घटना कारित करना स्वीकार करते हुये चोरी किया मसरूका अपने दोस्त चंद्रभान सोनी पिता स्वर्गीय मनीराम सोनी उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम कौडिया थाना चंदिया के पास रख देना बताया जिसके यहां से पुलिस द्वारा चोरी

गया संपूर्ण मसरूका बरामद कर आरोपी सतीश कुमार महोबिया एवं उसके दोस्त चंद्रभान सोनी के विरूद्ध विधिसंगत कार्यवाही करते हुये माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया । उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी मदनलाल मरावी, सहायक उप निरीक्षक ताराचंद बघेल, प्रधान आरक्षक कमलेश अहिरवार एवं सायबर सेल से संदीप सिंह की भूमिका रही है ।

खबर संक्षेप

अवैध रेत से भरी ट्रैक्टर ने बोलेरो को मारी टक्कर

जमुना/बदरा हरिभूमि न्यूज । जमुना कोतमा देवहरा चौकी अंतर्गत सुबह करीब 7 से 8 के बीच अपनूपपुर से धिरौल होते हुए बुढार की ओर जाती हुई बोलेरो क्रमांक एमपी 04 टीबी 2334 को नदी से चोरी की रेत लेकर आती हुई ट्रैक्टर जिसमे नंबर नही है किसी ने ट्रैक्टर चालक को सूचना दिया की खनिज विभाग अधिकारी ईशा वर्मा गाड़ी पकड़ने आ रही है खबर सुनते ही चोरी की रेत से भरी ट्रैक्टर को लेकर भागने की जल्दबाजी में लेकर भागते समय सामने से आ रही बोलेरो में ठोक दिया। हालांकि कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई है ट्रैक्टर चालक मौके से हुआ फरार मौके में पहुंची देवहरा चौकी प्रभारी रंगनाथ मिश्रा एवं उनकी टीम ने ट्रैक्टर को जप्त करते हुए मामले को पंजीयन कर जांच में देवहरा पुलिस जुटी है।

वी क्लब आफ इंडिया स्पंदन अलंकरण समारोह किया गया आयोजित

कोतमा हरिभूमि न्यूज। जिसमें डिस्ट्रिक्ट प्रेसीडेंट वी अनीता फरमानिया द्वारा कोतमा निस्वार्थ क्लब को कुल दस पुरूस्कारों से सम्मानित किया गया। वी डाक्टर संगीता प्रजापति को पर्यावरण सुरक्षा एवं स्वास्थ्य शिविर परीक्षण में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु सर्वश्रेष्ठ चेयर पर्सन का पुरस्कार दिया गया। कोतमा निस्वार्थ क्लब से क्लब की अध्यक्ष श्रीमती रामास्वामी एवं एरिया सचिव श्रीमती वी किरण गोयनका को भी उत्कृष्ट कार्य हेतु पुरस्कार से नवाजा गया। क्लब को फाइव स्टार रेटिंग के साथ श्रेष्ठ क्लब का खिताब दिया गया। इस क्लब द्वारा जरूरतमंद असहाय लोगों की सेवा निस्वार्थ भाव से की जाती है एवं समय-समय पर समाज सेवा के कार्य कोतमा नगर में किए जाते हैं।

रामनगर पुलिस ने दो लापता महिला, पुरुष को सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंपा

रामनगर हरिभूमि न्यूज । रामनगर पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में लापता हुए व्यक्तियों को त्वरित कार्रवाई करते हुए दस्तयाब कर उनके परिजनों को सकुशल सौंप दिया है। प्रथम मामला दिनांक 15 दिसंबर 2024 को सामने आया, जिसमें झिरिया टोला निवासी श्रीमती गिरजा बाई (45 वर्ष) के लापता होने की सूचना पर गुमशुदगी दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई थी। द्वितीय मामला दिनांक 3 मार्च 2025 को ग्राम पिपरहा निवासी राजकुमार पाव (24 वर्ष) के लापता होने का था, जिसकी रिपोर्ट उनकी माता ने दर्ज कराई थी। पुलिस अधीक्षक अनुपपुर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व एसडीओपी कोतमा के मार्गदर्शन में थाना रामनगर की टीम द्वारा दोनों व्यक्तियों की सतत खोजबीन की गई। तकनीकी सहायता एवं स्थानीय सूचनाओं के आधार पर दोनों को अलग-अलग स्थानों से बरामद किया गया।

भगवान परशुराम जयंती पर निकली भव्य शोभा यात्रा

जय-जय परशुराम के नाम से गुंजायमान हुई विराटधरा

शहडोल हरिभूमि न्यूज। भगवान परशु राम जयंती उत्साह और भव्यता के साथ मनायी गयी। शहर में जगह-जगह पूजन-हवन, भंडारा करने के अलावा शोभा यात्रा भी निकाली गयी। इन आयोजनों में काफी संख्या में समाज के लोगों ने भाग लिया और एकजुटता दिखाते हुए समाज के कल्याण के लिए कार्य करते रहने का संकल्प लिया। संभागीय मुख्यालय में भगवान श्री हरि विष्णु के आवेशावतार परशुराम का अवतरण दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए। पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे। ब्राह्मण समाज की ओर से परशुराम जयंती पर शाम 4:30 बजे, भगतसिंह काम्प्लेक्स से नगर के मुख्य मार्ग राजेन्द्र टाकीज, गांधी चौक, जैन मंदिर से होते हुए मोहनराम तालाब राम मंदिर पहुंची जहाँ भगवान राम एवं भगवान परशुराम की पूजा व आरती के पश्चात यात्रा का समापन हुआ।

पालकी सवार थे परशुराम

भगतसिंह काम्प्लेक्स से ढोल नगाड़ों के साथ शोभायात्रा निकाली गई। लोगों भगवान परशुराम का जयघोष किया। शोभायात्रा में भगवान परशुराम की सुंदर मनमोहक पालकी पर लोगों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा की। शोभायात्रा में झांकियां शामिल रहीं। शोभा यात्रा में सबसे आगे युवा नृत्य करते नजर आये, शोभायात्रा में भगवान परशुराम की वेशभूषा में पालकी में सवार होकर चल रहे थे।

बद्रीनारायण के खुले कपाट

ब्राम्हण समाज के जिलाध्यक्ष पं. बाल्मीक गौतम ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी धूमधाम से भगवान परशुराम का अवतरण दिवस पर शोभायात्रा निकाली गई, विद्वान पुरोहितों के अनुसार सनातन हिंदू संस्कृति में यह दिन अत्यधिक महत्व रखता है। साथ ही यह दिन सर्वसिद्ध माना गया है, अर्थात इस दिन किया गया हर शुभ कर्म अक्षय फल देता है अर्थात सिद्ध हो जाता है। इसी दिन भगवान विष्णु अपने छठवें अवतार श्री परशुराम जी के रूप मे पृथ्वी पर अवतरित हुए थे। परशुराम जयंती के ही दिन से भगवान बद्रीनारायण जी के मंदिर के कपाट खुलते हैं। इसलिये कहा जाता है कि इस दिन शुभ कार्य करने के लिये पंचाग देखने की आवश्यकता नहीं होती। अक्षय तृतिया पर मंत्र-तंत्र की सिद्धी शीघ्र हो जाती है।

युवाओं में संस्कार डालने का प्रयास

ब्राम्हण समाज के अध्यक्ष श्री गौतम ने बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से समाज में एक रुपता, अपनी संस्कृति को बचाए रखने के लिए युवाओं में संस्कार डालने के लिए समाज को एक मंच लाने का प्रयास किया जा रहा है। संभागीय मुख्यालय में शोभायात्रा के साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया गया था। ब्राह्मण समाज के सदस्य ने बताया कि शोभायात्रा के साथ ही जिले के अन्य हिस्सो में सुबह आठ बजे श्री रामायण अखंड पाठ का समापन किया हुआ, सुबह हवन-यज्ञ का आयोजन हुआ। इसके बाद कन्या पूजन किया गया। शोभायात्रा कार्यक्रम के दौरान ब्राम्हण समाज के जिला अध्यक्ष पं. बाल्मीक गौतम, नगर उपाध्यक्ष पं. विष्णुकांत मिश्रा, पं. भास्कर शुक्ला, पं. सुभाष मिश्रा, पं. संतोष गोस्वामी, पं. धीरेन्द्र द्विवेदी, पं. सोभनाथ मिश्रा, पं. शरद उदानिया, नगर महामंत्री पं. अनिल उपाध्याय, नगर अध्यक्ष पं. संजय कटारे मौजूद रहे।

खेत और पर्यावरण को नुकसान होने से बचाए: कलेक्टर

उमरियाहरिभूमि न्यूज। किसान पर्यावरण की सुरक्षा एवं मृदा स्वास्थ्य संरक्षण हेतु नरवाई को नही जलाएं , बल्कि कृषि विभाग से संपर्क कर नरवाई का उपयोग खाद बनाने में करें । इस आशय के उदगार कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने कलेक्ट्रेट परिसर में रथ को रवाना करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि रथ के माध्यम से किसानों को नरवाई नही जलाने की बाते बताई जा रही है । यह रथ जिले के विभिन्न ग्रामों में पहुंचकर किसानों को नरवाई जलाने से होने वाले नुकसान, नरवाई के प्रबंधन एवं उपाय, नरवाई प्रबंधन में सहायक भूसा मशीन, बेलर, हार्वेस्टर मैनेजमेंट सिस्टम, रीपर कम्बाइंडर, सीपर सीडर, मल्चर,आधुनिक कृषि यंत्र, फसल अवशेष प्रबंधन उपाय बनाने, खेत और पर्यावरण को नुकसान से बचाने, नरवाई प्रबंधन के लाभ आदि के बारे में जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि पर्यावरण सुरक्षा, जन स्वास्थ्य एवं जीव जंतुओ की जीवन सुरक्षा को ध्यान मे रखते हुए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश के परिपालन में पर्यावरण प्रदूषण एवं नियंत्रण अधिनियम के तहत शासन ने धान एवं गेहू तथा अन्य फसल की कटाई के बाद नरवाई जलाना प्रतिबंधित किया है। इसका उल्लंघन किए जाने पर संबंधित से पर्यावरण क्षतिपूर्ति के रूप मे जुर्माना लिया जाएगा । नोटिफिकेशन के प्रावधान अनुसार जुर्माना राशि निर्धारित की गई है । इस अवसर पर उप संचालक कृषि संग्राम सिंह , सहायक कृषि यंत्री मेघा पाटिल सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

एल 1 स्तर से एल 4 स्तर तक की शिकायतों की सीएमएचओ ने की समीक्षा

उमरिया हरिभूमि न्यूज। साप्ताहिक समय सीमा की बैठक में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने समस्त जिला प्रमुख अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों का निराकरण गंभीरता पूर्व करने के निर्देश दिए थे। निर्देश के परिपालन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा एस बी चौधरी ने ब्लाक मेडिकल आफीसर, डीपीएम सेक्टर मेडिकल आफीसर की बैठकर लेकर एल 1 से एल 4 तक की लंबित की शिकायतों की समीक्षा करते हुए शिकायतों को एक सप्ताह के अंदर निराकरण करने के निर्देश दिए । उन्होने कहा कि शिकायतों के निराकरण में यदि लापरवाही बरती की गई तो कार्यवाही के लिए उच्च अधिकारियों को प्रस्ताव भेजा जाएगा ।

बाल विवाह से जुड़े दुष्परिणामों पर हुई चर्चा,दिलाई गई शपथ

उमरिया हरिभूमि न्यूज। अक्षय तृतीया के अवसर पर उमरिया कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन के निर्देशन पर महिला बाल विकास जिला अधिकारी मनमोहन कुशराम के मार्गदर्शन पर बाल विवाह रोकथाम जागरूकता जन संवाद जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन विकासखंड बिरसिंहपुर पाली के वार्ड नंबर 15 में महिला बाल विकास अधिकारी पाली, मोनिका सिन्हा व टीम संयोजक हिमांशु तिवारी की उपस्थिति में युवा टीम उमरिया द्वारा आयोजित किया गया। महिला बाल विकास अधिकारी पाली, मोनिका सिन्हा ने बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बाल विवाह एक गंभीर कानूनी अपराध है। उन्होंने बताया कि विवाह आयोजन में शामिल पंडित, कार्ड छापने वाले, हलवाई, टेंट संचालक सहित अन्य सभी जिम्मेदार लोग भी कानून के तहत दोषी माने जाते हैं।सिन्हा ने बाल विवाह के कारण उत्पन्न होने वाली सामाजिक, मानसिक और शारीरिक समस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा की।उन्होंने सभी साथियों को निर्देश दिया कि यदि क्षेत्र में कहीं भी बाल विवाह की सूचना मिले तो तत्काल प्रशासन को सूचित करें, ताकि समय रहते विवाह को रोका जा सके और बच्चों का भविष्य सुरक्षित किया जा सके। टीम संयोजक हिमांशु तिवारी ने उपस्थित महिलाओं व बालिकाओं को जानकारी देते हुए कहा की बाल विवाह सामाजिक बुराई के साथ कानूनी अपराध भी है। इसे खत्म करने के लिए सभी को जिम्मेदारी समझनी होगी। इसके लिए बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम भी बना हुआ है।इसे खत्म करके ही बच्चों का बेहतर भविष्य सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने शिक्षा और सरकारी योजनाओं के महत्व पर भी जोर दिया। बाल विवाह को एक सामाजिक कुरीति करार देते हुए इसे जड़ से उखाडने का आह्वान किया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सीमा केवट ने उपस्थित जनसमूह को बाल विवाह रोकने की शपथ दिलाई।इस दौरान खुशी सेन, वार्ड वासी राधा साहू, जानकी साहू, सुमित्रा कोल, दुर्गा चौरसिया, मुल्की बाई कोल, ममता कोल, सरोज यादव, ज्योति गुप्ता, रीता गुप्ता, काजल बैगा, किरण केवट, हेमा कोल, प्रिया रजक व सभी उपस्थित रहे।

डोंगरिया क्षेत्र में हो रहा पत्थरों का अवैध उत्खनन

बिजुरी हरिभूमि न्यूज। बिजुरी थाना क्षेत्र अंतर्गत डोंगरिया क्षेत्र में पत्थरो का अवैध उत्खनन जोड़ों पर चल रहा है, बिजुरी नगर के कुछ पुराने खनीज माफिया जो दिन-रात पत्थरों का अवैध उत्खनन कर जिले के माइनिंग विभाग को चुनौती दे रहे हैं, तथा माइनिंग विभाग को लाखों करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान पहुंचा रहे हैं, सबसे बड़ी बात यह है कि इन अवैध उत्खनन कर्ताओं के पास सबसे खतरनाक विस्फोटक सामग्री कैसे आती है जो पत्थरों के उत्खनन में काम आता है, अनूपपुर जिला जो छत्तीसगढ़ के सीमा पर स्थित है तथा नक्शल प्रभावित क्षेत्र के रूप में गिना जाता है, ऐसे क्षेत्र में विस्फोटक सामग्री बिना लाइसेंस धारियों के पास कैसे मिल जाती है जो चिंता का विषय है, डोंगरिया क्षेत्र में हो रही ब्लास्टिंग से गांव वासी भी काफी दहशत में जी रहे हैं, जिला प्रशासन को चाहिए कि डोंगरिया क्षेत्र में विस्फोटक सामग्री के द्वारा हो रहे पत्थरों के अवैध उत्खनन पर गंभीरता से ध्यान देते हुए ठोस कार्रवाही करने की जरूरत है जिससे क्षेत्र में हो रहे अवैध उत्खनन पर रोक लग सके।

धार्मिक टिप्पणी से आहत लोगों ने थाना पहुंच किया प्रदर्शन

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

कोतमा हरिभूमि न्यूज। अक्षय तृतीया पर बुधवार को सोशल मीडिया पर कुछ सिरफिरे युवकों द्वारा सनातन धर्म एवं कथावाचक के खिलाफ अमर्यादित एवं अभद्र पोस्ट किए जाने के खिलाफ नगर के युवाओं द्वारा आक्रोशित होते हुए थाना पहुंच गए। थाना प्रभारी सुंद्रेश सिंह को ज्ञापन सौंपते हुए कार्यवाही की मांग की गई। बताया जाता है कि सोशल मीडिया पर 3 युवकों द्वारा सनातनियों को अभद्र एवं अशोभनीय भाषा का उपयोग करते हुए गाली गलौज किया गया है । जिससे लोगों की भावनाएं आहत हुई है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पोस्ट करने वाले आरोपी को गिरफ्तार करते हुए कार्यवाही की गई। ज्ञापन सौंपने के दौरान राजकमल तिवारी, प्रदीप उपाध्याय, दिलीप शुक्ला, राजीव गर्ग, आशीष तिवारी, शिवेंद्र पांडे, अनुज गौतम, कालकेश्वर प्रजापति, सूरज नामदेव सहित अन्य लोग शामिल रहे।

धूमधाम के साथ मनाया गया अक्षय तृतीया का पर्व

कोतमा हरिभूमि न्यूज। नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर अक्षय तृतीया का पर्व पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बुधवार को नगर के मंदिरों में भक्तों ने भगवान विष्णु एवं देवी लक्ष्मी की पूजा-अर्चना कर शुभ कार्य की शुरुआत की। मान्यता है कि इस दिन लिए गए निर्णय और कार्य अक्षय हो जाता है। इस दिन किसी भी तरह के पंचांग देखने की आवश्यकता नहीं होती सभी कार्य स्वेच्छा के अनुरूप किया जा सकता है। पुजारी कुंज बिहारी मिश्रा ने बताया कि अक्षय तृतीया पर किए गए कार्यों का कई गुणा फल प्राप्त होता है। मंदिरों में बुधवार को सुबह सभी भक्तजनों द्वारा पूजा अर्चना की गई और साथ ही शाम को मंदिर स्थित प्रांगण में कीर्तन भजन का भी आयोजन किया गया। लोगों ने फल, अनाज, दही, कपड़े, जल आदि दान कर पुण्य कमाया।

रचाया विवाह

अक्षय तृतीया के अवसर पर नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर बच्चियों के द्वारा गुड्डे-गुड़ियों का विवाह घर के आंगन में मंडप सजा कर विधि विधान से रचाया गया। अक्षय तृतीया के एक दिन पूर्व मेहंदी की राशि की गई जिसमें बच्चिया सहित घर के सदस्यों ने हल्दी मेहंदी लगाकर ब्याह की रस्म की शुरुआत की। गुड्डे गुड़ियों के विवाह उपरांत सभी ने बैठकर भोजन ग्रहण किया। अक्षय तृतीया अपने आप में एक मुहूर्त है इसलिए बुधवार को सभी ने शुभ कार्य की शुरुआत के साथ ही मांगलिक कार्य का आयोजन भी किया । अक्षय तृतीया के अवसर पर नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र एवं कोयलांचल क्षेत्र में भारी तादाद में मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अक्षय तृतीया पर्व को लेकर नगर के बाजारों में सुबह से लेकर देर शाम तक चहल-पहल बनी रही लोगों ने जमकर बाजार में खरीददारी की

परिषद अध्यक्ष के तत्परता से वार्ड क्रमांक 12 कमल नगर में बिजली आपूर्ति हुई प्रारंभ

राजनगर हरिभूमि न्यूज । रविवार शाम तेज आंधी के कारण बनगवां (राजनगर) में एक विशाल आम का पेड़ गिरने से खंभा सहित तार टूटने के कारण मोहल्ले की बिजली आपूर्ति बाधित हुई थी। जिसे नगर परिषद अध्यक्ष यशवंत सिंह ने संज्ञान में लेते हुए सोमवार शाम 6:45 को बिजली आपूर्ति सुचारू रूप से प्रारंभ करवाई। सोमवार पूरे दिन नगर परिषद के कर्मचारी बिजली आपूर्ति दुरुस्त करने के लिए कार्य पर लगे रहे। जिसकी देखरेख खुद नगर परिषद के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष कर रहे थे। क्योंकि खंभा गिर जाने के कारण लोगों को लग रहा था। तीन से चार दिन तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। लेकिन नगर परिषद अध्यक्ष और वार्ड क्रमांक 12 के पार्षद समय पटेल और उपाध्यक्ष धनंजय सिंह द्वारा उसे 24 घंटे के अंदर ही सही करा कर बिजली आपूर्ति प्रारंभ करवाई। इसके लिए समय-समय पर कर्मचारियों से बात कर अतिरिक्त कर्मचारियों को भेजकर सोमवार शाम तक बिजली आपूर्ति शुरू करने के लिए खड़े रहे।और बिजली आपूर्ति प्रारंभ होने से पूरे वार्डवासियों ने नगर परिषद के कार्य को सराहा। आज नगर का इतिहास सबको पता होगा, कि जितने भी रोड में स्ट्रीट लाइट जल रही हैं। वह सब नगर परिषद के माध्यम से लगी हैं। जिससे पूरा नगर आज जगमगा रहा है। चाहे वह नगर का स्टेडियम ही क्यों ना हो आज स्टेडियम में भी भरपूर रोशनी है जिसका श्रेय माननीय नगर परिषद अध्यक्ष यशवंत सिंह को जाता है।

हिंदुस्तान पावर ने 21 गांवों को हाई मास्ट एलईडी लाइट्स से किया रोशन

जैतहरी हरिभूमि न्यूज । ग्रामीण विकास और अवसंरचना सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए, हिंदुस्तान पावर ने जैतहरी एवं आसपास के गांवों में एक व्यापक ग्रामीण रोशनी परियोजना की शुरुआत की है। कंपनी द्वारा क्षेत्र के 21 गांवों में कुल 40 हाई मास्ट एलईडी लाइट्स की स्थापना का कार्य प्रारंभ किया गया है। पिछले सप्ताह कंपनी ने जैतहरी के राठौर चौक से प्लांट गेट क्रमांक 2 तक सड़क किनारे लाइट्स का सफलतापूर्वक संचालन किया। प्रत्येक हाई मास्ट लाइट 10 मीटर ऊंचे पोल पर चार 100 वॉट की एलईडी लाइट्स के साथ स्थापित की जा रही है, जिससे कुल 400 वॉट की रोशनी एक स्थान पर उपलब्ध हो रही है। ये लाइट्स छुल्हा, नगढहा टोला, खिरना टोला, बेलिया, धुर्वासिन, चोलना, ढंगावन, पडौर, महुदा, चंदपुर, पचौहा, कुकरगोडा, पदरिया, सिवनी, बलबहारा, मुरा टोला, गोड़न टोला, लहरपुर, अमगवां, गुंवारी, टकुहली और जैतहरी जैसे गांवों के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर लगाई जा रही हैं। अब तक 12 हाई मास्ट लाइट्स स्थापित की जा चुकी हैं और पूरी तरह चालू हैं। शेष लाइट्स का कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है और आगामी दो से तीन दिनों में पूरा होने की संभावना है। इस पहल को स्थानीय समुदायों द्वारा अत्यंत सराहना मिल रही है। ग्राम सरपंचों ने अपने-अपने गांवों में सामुदायिक स्थलों पर हाई मास्ट लाइट्स लगाने हेतु सक्रिय रूप से अनुरोध किया, जिससे सुरक्षा और सामाजिक गतिविधियों को बल मिल सके। ग्रामीणों ने बेहतर रोशनी और रात्रिकालीन गतिविधियों में वृद्धि के लिए कंपनी का आभार व्यक्त किया। हिंदुस्तान पावर के सीएसआर प्रमुख श्री सत्यम सलील ने कहा, ‘हम अपने आसपास की समुदायों के लिए दीर्घकालिक सकारात्मक परिवर्तन लाने में विश्वास रखते हैं। यह प्रकाश व्यवस्था पहल न केवल जीवन गुणवत्ता को बेहतर बनाने की दिशा में एक कदम है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा और सामाजिक सहभागिता को भी सशक्त बनाती है। ग्रामीणों की सकारात्मक प्रतिक्रिया हमारे लिए प्रेरणा है, जिससे हम सतत सामुदायिक विकास की दिशा में आगे बढ़ते रहेंगे। हिंदुस्तान पावर सामुदायिक केंद्रित विकास के प्रति प्रतिबद्ध है और अपने संचालन क्षेत्रों में जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

विकास के नाम पर खुलेआम डकैती, जनता के पैसों पर डाका

मामला ग्राम पंचायत पयारी क्रमांक-1 का

बदरा/जमुना हरिभूमि न्यूज। ग्राम पंचायत पयारी क्रमांक-1 ने विकास कार्यों की आड़ में जिस बेशर्मी से सरकारी खजाने को लूटा है, वह न सिर्फ शर्मनाक है बल्कि कानूनी अपराध की खुली किताब भी है। मनरेगा और 15वें वित्त आयोग जैसी योजनाओं को इन भ्रष्टाचारियों ने अपनी जेब भरने का ज़रिया बना लिया है। पंचायत ने विकास नहीं किया जनता के हक पर दिनदहाड़े डकैती डाली है। वर्ष 2019-20 में छोटेलाल महरा के घर के पास 14,630 की लागत से एक शोक फिट का निर्माण हुआ था। इसके बावजूद, महज दो साल के भीतर, वहीं दोबारा निर्माण कार्य दिखाकर 15वें वित्त आयोग के फंड से 25,000 और उड़ा दिए गए। संतोष महरा के घर के पास भी यही घोटाला रचा गया पुराने निर्माण स्थल पर दोबारा काम दिखाकर फर्जी बिल बना दिया गया। पंचायत का यह कारनामा किसी झूठे वादे जैसा नहीं, बल्कि सरकारी पैसों की सीधी लूट है। जिस जगह गड्ढा पहले ही खोदा जा चुका था, वहाँ फिर से गड्ढा खोदकर ये विकास का ढोल पीट रहे हैं। असलियत यह है कि ये लोग गड्ढे नहीं खोद रहे, जनता के विश्वास को गड्ढे में डाल रहे हैं। यह कोई चूक नहीं, यह सुनियोजित साजिश है सरकारी तिजोरी से पैसे निकालने का और गाँववालों के साथ धोखा करने का। मनरेगा मजदूरी में भी इन्हीं कलाकारों ने खेल कर दिया। जहाँ मज़दूरी भुगतान 10,000 होना था, वहाँ 17,290 का फर्जी भुगतान करवा लिया। कागजों पर गाँव चमकाया जा रहा है और जमीन पर सड़ांध फैल रही है। प्यारी पंचायत अब विकास का नहीं, घोटालों का पर्याय बन चुकी है।

यह पंचायत नहीं, सरकारी डकैती का अड्डा

जनता की गाढ़ी कमाई को ऐसे लूटा गया है जैसे कोई डकैत बैंक लूट कर भागता है। पंचायत प्रतिनिधियों और जिम्मेदार अफसरों ने मिलकर यह साबित कर दिया कि उनका कोई ईमान बचा ही नहीं है। इन्हें न गरीबों की चिंता है, न विकास की। इन्हें चिंता है तो बस अपनी जेबें भरने की। पंचायत के सरपंच से लेकर उपयंत्री तक, हर वह शख्स जो इस घोटाले में शामिल है, जनता का गुनहगार है। अब सवाल पूछे जाने चाहिए सिर्फ जांच नहीं, गिरफ्तारी होनी चाहिए। फर्जीवाड़ा करने वालों को जेल भेजकर उदाहरण पेश करना चाहिए, वरना गाँव-गाँव में यह लूट जारी रहेगी। अगर अब भी कार्रवाई नहीं हुई, तो यह लूट सिर्फ पयारी में नहीं रुकेगी यह बीमारी हर गाँव को चाट जाएगी।

पहलगाम में हुए आतंकवादी घटना के विरोध में मुस्लिम समाज धनपुरी ने कैंडल मार्च निकाला

बुढार हरिभूमि न्यूज । कश्मीर की मान लुभावना वादियों और पहाड़ों के बीच बसी पहलगाम घाटी में 22 अप्रैल को हृदय विधायक घटना घटी जिसका विरोध पूरे भारतवर्ष में शांतिपूर्ण ढंग से दर्ज करवाया जा रहा है, इस कायराना हरकत से पाकिस्तान की पोल खुल गई है आज पूरे विश्व में पाकिस्तान के द्वारा किए गए इस कृत्य की सभी ओर निंदा हो रही है बीते दिनों धनपुरी के मुस्लिम समाज द्वारा सड़क पर उतरकर शांति पूर्ण ढंग से अपना विरोध दर्ज करवाया आपको बता दे की पहलगाम में पर्यटकों के ऊपर हमला किया गया इसका विरोध धनपुरी के मुस्लिम समाज द्वारा कड़ा विरोध किया गया, आतंकवादियों को किसी भी कीमत पर बक्सा ना जाए कड़ी से कड़ी सजा दी जाए और पाकिस्तान को भी न बक्शा जाए निर्दोष लोगो की हत्या से सारी मानवता क़ो दुख में डालने वाले पाकिस्तान परस्त आतंकवादियों ने जो घिनौना कृत किया है वह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, हम प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से निवेदन करते हैं की आतंकवाद के गढ़ पाकिस्तान पर फिर से सर्जिकल स्ट्राइक जैसे कड़े कदम उठाने पड़ेंगे,

नूरी मस्जिद के सदर मोहम्मद शाहनवाज़ ने अपना विरोध दर्ज करते हुए कहा की पाकिस्तान ये अच्छे से जान ले वो मुसलमानो के सब्र का यदि बांध टूट गया तो कहीं ऐसा न हों की विश्व पटेल के नक़्शे से ही पाकिस्तान गायब हों जाए, मुसलमान के धैर्य की परीक्षा ना ले पाकिस्तान, हमारी भारतीय फौजे हर वक़्त अपने देश की सुरक्षा के प्रति सजग रहती है हमारा देश भारत शांति के लिए जाना जाता है हमारे देश की फिजा में पाकिस्तान जो जहर घोलने का काम कर रहा है वह अब नहीं होने दिया जाएगा, अब वक्त आ गया है पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने का

मदीना जामा मस्जिद के सदर मोहम्मद फरीद ने मुस्लिम समाज क़ो सम्बोधित करते हुए कहा कि इंसानियत क कत्ल करने वाले किसी धर्म मजहब के लोग नहीं होते वह सिर्फ आतंकवादी होते हैं उनको सही ठिकाना लगाया जाए 1 हम सभी आज यहां एकत्रित हुए हैं हमारा मकसद अमन शांति और भाईचारे का हैं लेकिन पाकिस्तान को शराफत पसंद नहीं आ रही, वह बार-बार कश्मीर की वादियों क़ो खून से लाल कर रहा है जो बर्दाश्त नहीं हो रहा मैं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से निवेदन करता हूं कि भारत की एकता और अखंडता को बचाए रखने के लिए पाकिस्तान पर ब कूटनीति की नहीं युद्ध नीति अपनाने की जरूरत है समूचा देश आज प्रधानमंत्री जी की तरफ देख रहा है उनका निर्णय क्या है यह तो वक्त आने पर पाकिस्तान क़ो पता चलेगा।

मुस्लिम समाज ने कहा की हम गत 22 अप्रैल की इस ह्रदय विधायक घटना को कभी भूल नहीं पाएंगे, हम सभी मृत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से दुआ करते हैं। इस विरोध का आगाज अंजुमन कमेटी के द्वारा किया गया था नूरी मस्जिद कमेटी धनपुरी मदीना मस्जिद कमेटी कच्छी मोहल्ला मस्जिद बिलाल कमेटी धनपुरी के सदस्यों के द्वारा किया गया और आतंकवाद परस्त पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए गए इस मौके पर काफी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग सड़क पर उतरकर अपने गुस्से का इज़हार किया व आतंकवाद का विरोध किया।

खबर संक्षेप

युवा टीम बनी बेसहारा पशुओं का बनी सहारा

शहडोल हरिभूमि न्यूज । भीषण गर्मी में पशु सेवा पहल अभियान के अंतर्गत कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता व कलेक्टर डॉ.केदार सिंह के आवाहन पर युवा टीम शहडोल बेसहारा मवेशियों की सेवा में जुट चुकी है। इसी के तहत युवाओं की टोली ने पशुओं को राहत देगा एक नाद अभियान का शुभारंभ किया।युवा स्वयं के खर्च में कटौती कर मवेशियों के लिए चारा-पानी की व्यवस्था कर रहे हैं। ताकि मवेशियों को गर्मी में पानी, चारा के लिए भटकना न पड़े। पशुपक्षी मित्र हिमांशु तिवारी ने बताया कि बेजुबान जानवरों और पक्षियों को पानी पिलाने के लिए नई व्यवस्था की है।टीम ने स्वयं से सीमेंट के नाद बनाएं हैं। नाद को लोगों के घरों के सामने रखा जा रहा है। लोगों से यह सहमति ली जा रही है कि वे रोज नाद में स्वयं पानी भरेंगे साथ ही नादो की सफाई भी स्वयं ही करेंगे। ताकि जानवरों को रोज साफ-सुथरा पानी मिल सके।गर्मी में पशु-पक्षियों के लिए पानी की कमी एक बड़ी मुसीबत साबित होती है। पानी के स्त्रोत सूख जाते हैं। ऐसे में पशु-पक्षी पानी के लिए भटकते रहते हैं। इन्हें बचाने यह पहल जरुरी थी। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जगह-जगह पर नाद में पानी भर कर रखा जा रहा है ताकि पशु और पक्षियों को गर्मी में प्यास बुझाने में सुविधा हो सके। युवाओं ने अपील है कि प्रत्येक व्यक्ति को पूरे मनोयोग से इस अभियान में जुडक़र अपना योगदान देना चाहिए। ताकि किसी भी जानवर को पानी की किल्लत न हो। इसी उद्देश्य के साथ लोगों को इस जल सेवा अभियान में जोड़ा जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस अभियान को पूरी गर्मी में आयोजित किया जाएगा।

शहडोल की बेटी सिमरन बनी कलेक्टर

शहडोल हरिभूमि न्यूज । पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय का गौरव और शहडोल की होनहार बेटी सिमरन साहू ने 2024 में आयोजित संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सफलता प्राप्त कर जिले का नाम पूरे देश में रोशन कर दिया है। बीए की पूर्व छात्रा रहीं सिमरन ने राजनीति शास्त्र,भूगोल और इतिहास विषयों के साथ अपनी शिक्षा पूरी की थी। उन्हें उस समय विश्वविद्यालय से स्वर्णपदक देकर सम्मानित किया गया था, आज उनकी इस अद्भुत उपलब्धि पर विश्वविद्यालय में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।
समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. रामशंकर ने की,और पुष्पगुच्छ व प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।जबकि कुलसचिव डॉ. आशीष तिवारी, परिसर प्रभारी प्रो. गीता सराफ एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. चेतना सिंह ने सिमरन को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। कुलपति प्रो. रामशंकर ने अपने उद्बोधन में कहा सिमरन साहू जैसे छात्र विश्वविद्यालय की असली पहचान होते हैं। उनकी सफलता न केवल हमारी शिक्षा पद्धति की गुणवत्ता को दर्शाती है, बल्कि यह भी सिद्ध करती है कि मेहनत, अनुशासन और निरंतर प्रयास से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। विश्वविद्यालय का प्रत्येक शिक्षक आज गर्व महसूस कर रहा है। सिमरन साहू ने भावुक होकर कहा मैंने इस विश्वविद्यालय से न केवल शैक्षणिक ज्ञान पाया, बल्कि यहां के वातावरण ने मुझे आत्मविश्वास, नेतृत्व और समाज सेवा की भावना दी। मेरे शिक्षकों का मार्गदर्शन और माता-पिता का आशीर्वाद ही मेरी सफलता की असली कुंजी है। परिसर प्रभारी प्रो. गीता सराफ ने उनकी प्रशंसा करते हुए उज्वल भविष्य की कमाना की। सिमरन की सफलता आज शहडोल के युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी है। कार्यक्रम में उपस्थित प्रो.नीलिमा खरे, डॉ. विनोद कुमार शर्मा, डॉ. बृजेंद्र, डॉ. मुनीश नेगी, डॉ. नीलेश शर्मा , डॉ. संतोष पुरी, पिन्सी सिंहा, संजयदास पनिका, दिलीप मिश्रा सभी छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण एवं गणमान्य नागरिकों ने सिमरन को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

सहकार ग्लोबल रेत ओवर लोडिंग से हर महीने शासन को बैठा रही लाखों की चपत

ब्यौहारी हरिभूमि न्यूज । शहडोल जिला में रेत खनन का कार्य कर रही कंपनी सहकार ग्लोबल द्वारा ओवरलोडिंग के माध्यम से प्रतिमाह शासन को कई लाख रुपए की शपथ बैठाई जा रही ओवरलोड वाहन थाने के सामने से निकलते हैं लेकिन मजाल है कि थाना प्रभारी को नजर आ जाएं एक हाईवा में तीन घन मीटर रेट प्रतिदिन ओवरलोड में जा रही लेकिन पुलिस विभाग, माइनिंग एवं खंड प्रशासन को यह नजर नहीं आती ओवरलोड रेत चारों तरफ गिरती रहती है बाइक चालकों के आंखों में भी घुस जाती सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार - एक हाईवा में तीन ट्राली रेत प्रतिदिन ओवरलोड में जा रही लेकिन पुलिस विभाग, खनिज एवं खंड प्रशासन को यह नजर नहीं आती ओवरलोड रेत चारों तरफ गिरती रहती है बाइक चालकों के आंखों में भी घुस जाती सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अतिरिक्त रेत को बघवार के पास ट्रैक्टर की ट्रालियों में बेंच दिया जाता है जिससे कंपनी को अतिरिक्त कमाई हो जाती पैसा निर्धारित रेत का ही लग रहा है रेत के इस खेल में पुलिस और मीनिंग के अधिकारी भी शामिल है और ओवरलोडिंग लगातार चालू है क्षेत्र वासियों ने मुख्यमंत्री एवं कलेक्टर से ओवरलोडिंग पर तत्काल लगाम लगाए जाने की मांग की है

प्यासे मझौली की चीख, जंगलों से ढोया जा रहा है जिंदगी का पानी

उमरिया हरिभूमि न्यूज । जिले की दोपहरी में जब शहरों के लोग एसी और पंखों के नीचे राहत महसूस कर रहे होते हैं, उसी वक्त बंधवा टोला के आश्रित ग्राम मझौली के लोग सिर पर बर्तन उठाए, पथरीली पगडंडियों और घने जंगलों के बीच से पानी ढोने निकलते हैं। जिंदगी की इस जंग में उनके पास न कोई सुरक्षा है, न कोई सुविधा, बस बूंद-बूंद पानी के लिए एक अथक संघर्ष है। यह वही गांव है, जिसे 'हर घर नल जल योजना' के तहत स्वच्छ पेयजल का सपना दिखाया गया था। सरकारी कागजों में मझौली जैसे गांव 'जलयुक्त' घोषित हो चुके हैं, पर जमीनी हकीकत में लोग आज भी जान जोखिम में डालकर 2 से 2.5 किलोमीटर दूर जंगली जानवरों के तालाबों से पानी भरने को मजबूर हैं। हमारे संवाददाता जब मझौली गांव पहुंचे और एक महिला से पीने के लिए पानी मांगा, तो उसने दुख भरे स्वर में मना कर दिया। उसकी आंखों में छिपा दर्द साफ झलक रहा था। उसने कहा, ₹हम जंगल से जान हथेली पर रखकर पानी लाते हैं, ताकि

अपने बच्चों की प्यास बुझा सकें। यहां पानी मांगना, जैसे किसी से उसकी सांसें मांगना हो।₹ गांव वालों का कहना है कि सरकारी अमले हर साल आते हैं, सर्वे करते हैं, रिपोर्ट बनाते हैं, बजट भी मंजूर होता है, लेकिन नल जल का सपना अब भी अधूरा है। बार-बार वादे होते हैं, लेकिन हर गर्मी गांव वालों को सिर्फ इंतजार और पीड़ा मिलती है। मझौली की कहानी अकेली नहीं है। उमरिया जिले के दर्जनों गांवों में लोग इसी त्रासदी से जूझ रहे हैं। यह उन सरकारी योजनाओं का असली चेहरा है, जो फाइलों से बाहर नहीं निकल पातीं। आज मझौली के जंगलों में सिर्फ पानी नहीं खोजा जा रहा, वहां इंसानी हौसले और हक़ की तलाश भी हो रही है। सरकार और जिम्मेदार अधिकारियों से अपील है कि वे इन इलाकों की पीड़ा को समझें और सिर्फ कागजी योजनाओं पर नहीं, जमीन पर काम करें। क्योंकि पानी सिर्फ जीवन नहीं, एक हक़ है। और अब इस हक़ की आवाज़ को और देर तक नहीं दबाया जा सकता।

युग-युगान्तर की यात्रा के बाद आज भी शास्त्र और शस्त्र की सत्ता सर्वोपरि-दिलीप पाण्डेय

बिरसिहपुर पाल समाज कल्याण और राष्ट्र हित के लिए बुद्धि समृद्धि के साथ-साथ सामर्थ्य भी अति आवश्यक होता है, शान्ति भाईचारा की बाते करना तब तक अपने आप से धोखा है जब तक हम शक्तिहीन है। निवेदन करने गिड़गिड़ाने मानवता की दुहाई देने से भाई चारा वा एकत्व स्थापित नही होगा यह बात हिन्दुओ को भली भांति समझ लेना चाहिये। शक्ति से युक्त पुरुसार्थी ही मानवता शांति भाईचारे से युक्त भय से मुक्त समाज की गारंटी है। भारत का बहुसंख्यक समाज जिस दिन अपने देवी देवताओं का अनुसरण कर लेगा उसी समय वह विश्व शांति का केंद्र बन जायेगा। हमारे आराध्यों के हाथ अस्त्र शस्त्र से सुसज्जित है। वह शास्त्र के साथ शस्त्र से भी सुसज्जित है। उनके हाथों में माला के साथ भाला भी है। सर्व समर्थ सर्व शक्तिमान भगवान परशुराम जी के प्रागट्य दिवस के परम पुनीत अलौकिक शुभ अवसर पर आप सभी को शुभकामनाएं। हिन्दू समाज को अपने ही देश भारत मे अस्तित्व के साथ रहना है तो अपनी आत्मा में विराजमान परशुराम जी का गुणों सहित स्मरण करते रहना पड़ेगा।निवर्तमान जिला भाजपा अध्यक्ष श्री दिलीप पाण्डेय जी ने कहा कि धर्म रक्षा के लिए सर्व समर्थ भगवान धरती पर अवतार लेते हैं दुष्टों राक्षसों के विनाश के लिए भगवान अवतरित होते हैं, तथा इस मायारूपी संसार का माया के द्वारा ही उद्धार करते हैं । भगवान परशुराम श्रीहरि विष्णु जी के अवतार है। अर्थात श्रीहरि ही परशुराम के रूप में धरती पर अवतरित हुए। भगवान परशुराम शिव जी के उपासक साधक है। परशुराम जी अखिलकोटी ब्रम्हांड स्वामी शिवजी की कृपा वा शक्ति से सुसज्जित और परिपूर्ण है। मानवता की

रक्षा के लिए ,धर्म की स्थापना के लिए दानवी शक्तियों को मिट्टी में मिलाने के लिए जगत पिता स्वयं मानव रूप में धरती पर आते है । जिनका उद्देश्य धरती को धर्म से युक्त करना दुष्ट ताकतों से मुक्त कर मानवीयता स्थापित करना धरती पर सज्जन शक्ति का पोषण करना है। धर्म की रक्षा के लिए भगवान धरती पर अवतार लेते हैं दुष्टों राक्षसों का विनाश करते है जो ब्यक्ति धर्मानुकूल आचरण करता है श्रीहरि सदैव उसका पोषण करते है उसे सफलता प्रदान करते है। उसके जीवन को अपनी कृपा से युक्त कर देते है।भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान श्री परशुराम जी ने एक ओर जहां दुरात्माओं का समूल नाश किया वही भगवान शिव की अनन्य भक्ति कृपा तथा शिक्षा से समूचे मानव जाति का कल्याण किया 1 भगवान परशुराम से बड़ा कोई शिक्षक नहीं हुआ, और ना महान योद्धा । भगवान परशुराम जहां उच्चतम आदर्शों मानबिंदुओं के संस्थापक थे वह शस्त्रधारण कर प्रजा की रक्षा करने में भी तत्पर थे । भगवान परशुराम एवं भगवान श्रीराम जी का संवाद जो की धनुष तोड़ने के संदर्भ में है जिससे हम सभी परिचित है भगवान परशुराम जी के प्रेरक व्यक्तित्व तथा उनके द्वारा किए गए दिव्यकार्यों से सम्पूर्ण धरा अवगत है।भगवान परशुराम का आदर्श चरित्र सभी युगों में सदा प्रासंगिक है। यद्यपि वो चिरंजीवी है। वो धरती पर ही विद्यमान है। वे यथार्थ की ओजस्वी तेजस्वी सर्व समृद्ध शिला पर सुप्रतिष्ठित हैं जो श्रीहरि सर्वशक्तिमान है हम सभी के मनोरथ पूर्ण करने वाले है जो सज्जनों ,संतो अपने उपासकों के लिए फूल से भी कोमल तथा दुष्ट दुरात्माओं राक्षसों अधर्मियो के लिए वज्र से भी कठोर है। -'वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि' अन्तः वृत्तियों के संवाहक हैं। मनुष्य में 'सत' और 'असत' का द्वन्द्व कॉमन है। उसके 'सत' का संवर्द्धन करने के लिए 'शास्त्र' और 'असत' का नियंत्रण करने के लिए 'शस्त्र' का विधान सभ्यता के अरूणोदय काल में किया गया। आज भी मानव चरित्र सत और असत से घिरा है, अतः युग-युगान्तर की यात्रा के बाद आज भी शास्त्र और शस्त्र की सत्ता स्वीकृत है।भगवान श्रीपरशुराम जी धर्म, न्याय एवं सामाजिक समानता के साक्षात विग्रह हैं। जब-जब भी समाज में सज्जन शक्ति पर अत्याचार हुआ, तब-तब भगवानश्री ने शोषण करने वाले आतताइयो को दंडित किया। पृथ्वी पर सत्य, समानता, दया, करुणा तथा न्याययुक्त धर्म की स्थापना की। सदैव लोकहित में तत्पर रहने वाले भगवान परशुराम जी की भक्ति और शक्ति से प्रशन्न भगवान शिवजी परशुराम जी से अत्यधिक प्रेम स्नेह करते थे। श्रीपाण्डेय जी ने जिले वासियो से भगवान श्री के प्रागट्य पर्व को महोत्सव के रूप में मनाने की अपील की है। आपने कहा कि श्रीहरि स्वयं परशुराम है जो शिव जी के उपासक है। आप सज्जनशक्ति के पोषक है। आप सर्वशक्तिमान है। हम सबको इस पावन पुनीत अवसर पर अपने घर के देवालय में घर के पास की मंदिर में एक -एक दीप जलाकर प्रभु श्री का स्मरण करके प्रभु श्री का आशीर्वाद प्राप्त करना है।

सूखे कुओं में गैस रिसाव की आशंका को देखते हुए बचाव के संबंध में सतर्कता संबंधी उपाय

शहडोल हरिभूमि न्यूज । क्षेत्रीय कार्यालय मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने बताया कि सूखे कुएं में उतरने से कई तरह की दुर्घटनाएं हो सकती हैं। जिनमें कि सूखे कुएँ में गिरने से जहरीली गैसों के संपर्क में आना: हाईड्रोजल सल्फाइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, मीथेन, कार्बन डाइऑक्साइड जैसी खतरनाक गैसों की उपस्थिति बेहोशी, घुटन और मृत्यु का कारण बन सकती है।

ऑक्सीजन की कमीः सीमित स्थान में ऑक्सीजन का स्तर कम होने से सांस लेने में तकलीफ और बेहोशी हो सकती है। पानी का अचानक भर जाना। उन्होनें बताया है कि सूखे कुएं मे गिरने या उतरने पर होने वाली दुर्घटनाओं से बचाव की स्थिति (बचाव के लिए उठाए जाने वाले कदम) में कुएँ में उतरने के पहले लालटेन रस्सी से नीचे डालें यदी लालटेन बुझजाती है तो वहाँ पर ऑक्सीजन गैस हैं, अतः कुएँ के अन्दर न उतरे। यदि कोई व्यक्ति सूखे कुएँ में दुर्घटना का शिकार हो जाता है, तो बचाव के लिए सबसे पहले अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करें। बिना उचित प्रशिक्षण और सरक्षा उपकरणों के कुएँ में उतरने का प्रयास न करें। तत्काल मदद के लिए कॉल करें। तुरंत आपातकालीन सेवाओं (जैसे पुलिस, अग्निशमन दल, बचाव दल) को सूचित करें। उन्हें दुर्घटना का स्थान और स्थिति की जानकारी दें। क्षेत्र को सुरक्षित करेंः कुएँ के आसपास के क्षेत्र को खाली कराएँ ताकि अन्य लोग खतरे में न पड़े। स्थिति का आकलन करे। यदि संभव हो, तो दूर से या सुरक्षित दूरी से दुघटनाग्रस्त व्यक्ति की स्थिति का आकलन करें (चेतना, सांस लेना चोटें)। बचाव योजना बनाएँ। आपालकालीन सेवाओं के पहुँचने पर, उनके साथ मिलकर एक सुरक्षित और प्रभावी बचाव योजना तैयार करें। प्रशिक्षित बचाव दलः बचाव कार्य केवल प्रशिक्षित और उचित उपकरणों से लैस बचाव दल द्वारा ही किया जाना चाहिए। सुरक्षा उपकरण, हार्नेस, रस्सियाँ और अन्य आवश्यक उपकरणों का उपयोग करना चाहिए। वायुमण्डल निगरानीः यदि संभव हो, तो कुएं के अंदर के वायुमण्डल की निगरानी करें ताकि खतरनाक गैसों या ऑक्सीजन की कमी का पता चल सकें। सुरक्षित निष्कर्षणः दुर्घटनाग्रस्त व्यक्त्ति को सुरक्षित रूप से कुएं से बाहर निकालने के लिए उचित तकनीकों का उपयोग करें। इससे रस्सियों, स्ट्रेचर या अन्य बचाव उपरकणों का उपयोग शामिल हो सकता है। कुएं से निकालने के बाद दुर्घटनाग्रस्त कुएँ से निकालने के बाद दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को तुरंत प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करें। चिकित्सा सहायता यदि आवश्यक हो, तो उन्हें तत्काल चिकित्सा सहायता के लिए अस्पताल के जाएं। बचाव कार्य में समय लग सकता है। धैर्य बनाए रखें और बचाव दल पर भरोसा रखें। बचाव दल के निर्देशों का सख्ती से पालन करें।

समय-सीमा के पत्रों का गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में करें निराकरणः कमिश्नर

शहडोल हरिभूमि न्यूज । आयुक्त श्रीमती सुरभि गुप्ता ने मंगलवार को संभाग के तीनों जिलों की समय-सीमा से संबंधित पत्रों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि समय-सीमा के पत्रों का गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि संबंधित कलेक्टर विभिन्न विभागों से संबंधित समय- सीमा के पत्रों की जानकारी एवं उन पर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन भिजवाना सुनिश्चित कराएं। बैठक में सीईओ जिला पंचायत उमरिया श्री अभय सिंह, डिप्टी कमिश्नर श्रीमती मिनिषा पाण्डेय, संयुक्त आयुक्त विकास श्री मगन सिंह कनेश सहित विभिन्न विभागों के संभाग स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

7 मई से आरटीई के तहत प्रवेश के लिए होंगे ऑनलाइन आवेदन

शहडोल हरिभूमि न्यूज । राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अन्त्रगत गैर अनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों में कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के बच्चों के ऑनलाइन निःशुल्क प्रवेश के लिए समय सारणी जारी की गई है। जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केंद्र शहडोल ने जानकारी दी है कि 07 मई से 21 मई 2025 तक पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन और त्रुटि सुधार के लिए विकल्प उपलब्ध रहेगा। ऑनलाइन आवेदन करने के पश्चात आवेदक 07 मई से 23 मई 2025 तक पावती डाउनलोड और मूल दस्तावेजों का सत्यापन केंद्रों, जनशिक्षा केन्द्र में सत्यापन करा सकेंगे। 29 मई 2025 को पारदर्शी रेंडम पद्धति से ऑनलाइन लॉटरी आयोजित करते हुए आवेदकों को स्कूल का आवंटन किया जायेगा साथ ही चयनित आवेदकों को एस. एम. एस. से भी सूचित किया जाएगा। लॉटरी में चयनित आवेदक 02 जून से 10 जून 2025 के बीच आवंटन पत्र डाउनलोड करके आवंटित स्कूल में प्रवेश पास कर सकेंगे। प्रवेश लेते समय ही संबंधित प्राइवेट स्कूल द्वारा मोबाइल ऐप के माध्यम से एडमिशन रिपोर्ट भी दर्ज की जाएगी।

आपने बताया कि ऑनलाइन प्रक्रिया से फार्म के साथ पात्रता संबंधित कोई भी एक दस्तावेज अपलोड करना होगा। ऑनलाइन आवेदन के बाद आवेदक को दस्तावेजों का सत्यापन संबंधित संकुल केन्द्र वाले स्कूल में अधिकृत सत्यापनकर्ता अधिकारी से 23 मई 2025 तक करवाना होगा। आवेदक ने जिस केटेगरी/निवास क्षेत्र के माध्यम से प्रवेश चाहा है, उस केटेगरी एवं निवास प्रमाण का सत्यापन मूल प्रमाण-पत्र से किया जायेगा। लॉटरी के पूर्व ही दस्तावेज सत्यापन हो जाने से आवेदकों को स्कूल आवंटित होने के बाद दस्तावेजों की त्रुटि या अभाव में, एडमिशन निरस्त होने की समस्या उत्पन्न नही होगी।

ऑनलाइन आवेदन करने में कोई समस्या या कठिनाई होने की स्थिति में संबंधित विकासखंड के बीआरसी कार्यालय में भी संपर्क किया जा सकता है। लॉटरी प्रक्रिया के बाद आवंटित सीट की जानकारी आवेदक को उसके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से प्रदान की जायेगी। ऑनलाइन लॉटरी की सूची आर.टी.ई. पोर्टल पर भी उपलब्ध रहेगी। साथ ही स्कूल आवंटन की जानकारी बीआरसीसी कार्यालय के सूचना पटल पर भी उपलब्ध रहेगी। किसी आवेदक को आवेदन प्रारुप प्राप्त करने अथवा जमा करने में कोई दिक्कत हो या उन स्कूलों की जानकारी चाहिए हो, जहाँ सीटें खाली हैं, तो आर.टी.ई. पोर्टल, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना कार्यालय अथवा विकासखण्ड स्त्रोत केन्द्र कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है। उन्होनें बताया कि प्रवेश के लिए पात्रता निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 12 (1) (ग) के अन्त्तगत ऐसे बच्चे पात्र होगे जिनके अभिभावक अनुसूचित जाति, अनूसूचित जनजाति, वनभूमि के पट्टाधारी परिवार, विमुक्त जाति, निःशक्त बच्चे (मेडिकल बोर्ड से जारी प्रमाण पत्र अनुसार),एच आई व्ही ग्रस्त बच्चे, गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले परिवार के बच्चे, अनाथ बच्चे (राज्य शासन द्वारा अनाथ बच्चों को भी कमजोर वर्ग में शामिल किया गया है), कोविड-19 से माता-पिता/अभिभावक की मृत्यु के कारण अनाथ बच्चों की शिक्षा आर्थिक सहायता तथा खादय सुरक्षा के लिये मुख्यमंत्री कोविड- 19 बाल कल्याण योजना के हितग्राही के बच्चे शामिल किए जाएगें।

खबर संक्षेप

ई-केवाईसी अभियान में जिले ने 93.65 प्रतिशत कार्य कर प्रदेश रैंकिंग में प्राप्त किया द्वितीय स्थान

अनूपपुर हरिभूमि न्यूज । कलेक्टर हर्षल पंचोली के दिशा-निर्देशन में जिले के राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के खाद्यान्न हितग्राहियों के ई- केवाईसी अभियान में उल्लेखनीय कार्य हुआ है अनूपपुर जिले में अब तक 93.65 प्रतिशत खाद्यान्न हितग्राहियों का ई-केवाईसी कार्य किया जा चुका है प्रदेश भर में किए जा रहे ई-केवाईसी कार्य में प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में अनूपपुर जिले की रैंक दूसरे स्थान पर है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए कलेक्टर हर्षल पंचोली ने खाद्य विभाग तथा ई- केवाईसी कार्य में जुटे अमले को बधाई दी है। उन्होंने शेष हितग्राहियों के ई - केवाईसी का कार्य जल्द पूर्ण करने को कहा है।

जिले के नर्मदा परिक्रमा पथ पर परिक्रमा वासियों की बढ़ेगी सुविधाएं

अनूपपुर हरिभूमि न्यूज । राज्य शासन द्वारा जीवनदायनी मां नर्मदा के जल को निर्मल तथा प्रवाह को अविरल बनाए रखने तथा समग्र विकास, नर्मदा परिक्रमा पथ एवं पथ के समीप के ग्रामों का चिन्ह्यांकन नर्मदा नदी के प्रवाह व अधिक जल स्तर वाले ग्रामों का चिन्हकन, पथ का राजस्व नक्शे में सीमांकन कर पथ का निर्धारण, ग्रामीण यांत्रिकी व ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण द्वारा पद की विस्तृत कार्य योजना व यात्री निवास हेतु स्थलों के चयन के परिपेक्ष में कलेक्टर हर्षल पंचोली के दिशा निर्देशन में कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा की अध्यक्षता में समिति का गठन किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने बताया है कि नर्मदा परिक्रमा मार्ग में परिक्रमा वासियों के लिए जन सुविधा के विस्तार के तहत अनूपपुर जिला अंतर्गत पुष्पराजगढ़ विकासखंड के 14 ग्रामों में अलग-अलग तरह के जन सुविधा कार्य प्रस्तावित किए गए हैं जिनमें सामुदायिक भवन,सीएचसी, सोलर लाइट, हैंड पंप, घाट निर्माण, किचन शेड, कूप सफाई एवं जगत मरम्मत, ग्रेवल रोड आदि शामिल है।

नगर से सटे ग्रामीण क्षेत्रों में भीषण जलसंकट

कागजों में बह रही जल की धार, हकीकत में बिन पानी जीवन बेजार

बुढ़ानपुर में बूंद बूंद पानी को मोहताज ग्रामीण

कोतमा हरिभूमि न्यूज । जैसे-जैसे गर्मी अपना तेवर दिखा रही है वैसे-वैसे ही पानी का संकट नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में गहराता जा रहा है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के जिम्मेदार अधिकारी जल संकट को लेकर पूरी तरह अनदेखा कर रहे हैं। जिसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है। जनपद पंचायत कोतमा अंतर्गत ग्राम पंचायत बुढ़ानपुर गांव के हरिजन बस्ती, कोलान टोला सहित अन्य वार्डो में रहने वाले लोग बूंद बूंद पानी के लिए संघर्ष करते नजर आ रहे हैं।

हैण्डपंप उगल रहे हवा

ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत में 40 से ज्यादा लगाए गए हैंडपंपों में से आधे से ज्यादा हैंडपंप सिर्फ हवा उगल रहे है। कुछ पंपों में दूषित एवं जंग लगा पानी आ रहा है। गिने चुने पंप ही सही है। मजबूरन लोगों को दूसरे टोला, मोहल्ला से पानी लाना पड़ता है। गांव के कोलान टोला में रहने वाले लोगों को लगभग आधा किलोमीटर दूर से पानी लाना पड़ता है जिस कारण उनका पूरा दिन पानी लाने में ही निकल जाता है। गर्मी में जल स्तर नीचे होने के कारण हैंड पंप में लंबी-लंबी लाइन भी लगी रहती हैं। घर के ज्यादातर सदस्यों का पूरा दिन पानी के लिए संघर्ष करने में ही निकल जाता है। जल समस्या को लेकर कई बार वार्ड वासियों द्वारा सरपंच सहित अन्य अधिकारियों को अवगत कराया गया लेकिन सरपंच मिठाई लाल द्वारा वाटर लेवल कम होने का हवाला देकर अपनी जिम्मेदारी पूरा कर लेते है।

नही मिला नलजल योजना का लाभ

जनपद पंचायत कोतमा के मुख्यालय से सटे ग्राम पंचायत बुढानपुर गांव मे अभी तक नलजल योजना का लाभ नही मिल पाया है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के द्वारा नल जल योजना का अभी तक टेंडर ही नहीं करवाया गया है। जिस कारण ग्राम पंचायत बुढानपुर गांव के किसी भी वार्ड में पाइप लाइन नहीं बिछाई गई है। जबकि यह ग्राम पंचायत जनपद पंचायत मुख्यालय से सटा गांव है।

पानी के लिए होती है परेशानी

ग्राम पंचायत की मुख्य सड़कों के किनारे ही देखी जा सकती है गांव में 3 दर्जन से ज्यादा हैंडपंप लगे हैं लेकिन ज्यादातर हैंडपंप हवा ही उगल रहे हैं गांव के चौधरी मोहल्ले में लगे तीन हैंडपंपों में से एक हैंडपंप लंबे समय से बंद पड़ा हुआ है। जिस कारण आसपास के रहने वाले लोगों को दूसरे टोला जाकर पानी लाने की मजबूरी रहती है। ग्रामीणों ने बताया कि पानी के लिए कुआं और तालाब के भरोसे हम लोग जिंदा है। पंचायत में कई बार पानी न मिलने की शिकायत की गई। गांव के ही कमलाबाई चौधरी, कौशल्या चौधरी, बेलू बाई, राधा चौधरी, उषा बाई , रामबाई कोल, सन्नू कोल, दीनबंधु सहित अन्य लोगों का कहना है कि हमारे घर की दूरी कोतमा नगर से 2 किलोमीटर भी नहीं है। पंचायत को विशिष्ट ग्राम पंचायत का दर्जा प्राप्त है लेकिन यहां पर मूलभूत आवश्यकता पानी के लिए भी जूझना पड़ता है।

नल जल योजना गायब

गांव में नल जल योजना का पता नहीं है बताया जा रहा है कि अभी तक नल जल योजना का टेंडर ही नहीं हो सका तो पानी कहा से मिलेगा। टेंडर ना होने से ग्राम वासियों को इस साल भीषण गर्मी में नल जल योजना का लाभ मिलना असंभव सा लग रहा है। यही कारण है कि पंचायत के कई वार्डों में आज भी लोगों को पानी नहीं मिल पा रहा है। महिलाएं पानी लाने की विवशता में पूरा दिन गुजार देती है। वही जिम्मेदार ऑफिसों में बैठकर खाना पूर्ति करते हैं।

इनका कहना है

नल जल योजना का टेंडर जल्द ही होने वाला है। हैंडपंप के माध्यम से पानी की व्यस्था हो रही है।

दीपक साहू, एसडीओ
पीएचई विभाग
अनूपपुर

संभाग में अखिल भारतीय पत्रकार कल्याण संघ के पदाधिकारियों की घोषणा

अनूपपुरहरिभूमि न्यूज ।अखिल भारतीय पत्रकार कल्याण संघ के शहडोल संभाग में संगठनात्मक विस्तार करते हुए नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। यह नियुक्तियाँ राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद दीक्षित जी की अनुमति एवं प्रदेश अध्यक्ष आदर्श दुबे की अनुशंसा पर की गई हैं। शहडोल संभाग के संभागीय अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सीताराम पटेल को सौंपी गई है। वहीं अनुभवी पत्रकार विनोद द्विवेदी और संतोष टंडन को संभागीय उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई है।संभाग के अंतर्गत अनूपपुर जिले के संरक्षक मंडल सदस्य के रूप में सुनील चौरसिया, राजेश सिंह, और अभय पाठक को मनोनीत किया गया है।

जिला अध्यक्ष रामभुवन ने अनूपपुर जिले के कार्यकारिणी घोषित की प्रदेश अध्यक्ष आदर्श दुबे के मार्गदर्शन और जिला अध्यक्ष राम भुवन गौतम की अनुशंसा पर अनूपपुर जिले के लिए भी कार्यकारिणी घोषित की गई है।महासचिवः प्रीतम तिवारी जिला

उपाध्यक्षः रवि ओझा, मोहम्मद जावेद, शिव लखन शुक्ला कोषाध्यक्ष सुजीत शुक्ला, सचिव ज्ञानेंद्र पांडे, चंद्रिका चंद्रराष्ट्रीय अध्यक्ष शरद दीक्षित ने नवमनोनीत सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि संगठन पत्रकारों के हित में सदैव तत्पर है और पत्रकारिता को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने में सदैव अग्रसर रहेगा।प्रदेश अध्यक्ष आदर्श दुबे ने भी सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए पत्रकारिता के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने की शुभकामनाएं दीं। जिला अध्यक्ष राम भुवन गौतम ने विश्वास व्यक्त किया कि अनूपपुर जिले की नवगठित कार्यकारिणी पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए तत्पर रहेगी और प्रशासन से उनके अधिकारों की प्राप्ति हेतु सशक्त भूमिका निभाएगी।

विधि विधान के साथ अमरकंटक में मनाया गया भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव

अमरकंटक हरिभूमि न्यूज । भगवान विष्णु के छठवें अवतार शस्त्र एवं शास्त्र के अद्वितीय ज्ञाता महाबलशाली महा पराक्रमी अपने तप एवं पराक्रम से समाज में समता और न्याय की स्थापना करने वाले भगवान परशुराम जी का पावन जन्मोत्सव पवित्र नगरी अमरकंटक में भी पूरे विधि विधान धार्मिक वातावरण में परंपरागत ढंग से पूजन अर्चन आरती कर अमरकंटक के ब्राह्मण समाज ने हर्षोल्लास के साथ मनाया। भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव के पावन अवसर पर नर्मदा उद्गम स्थल परिसर यज्ञशाला में पंडित धनेश द्विवेदी बंदे महाराज एवं पंडित उमेश द्विवेदी बंटी महाराज पूरे विधि विधान के साथ विशेष पूजन अर्चन कराया लगभग डेढ़ घंटे तक पूजन पाठ निरंतर चलता रहा अंत में सभी उपस्थित विप्र जनों ने भगवान परशुराम जी की आरती की सभी को मिष्ठान वितरित कर मुंह मीठा कराया गया। कार्यक्रम का समापन नर्मदा मंदिर के सामने किया गया। भगवान परशुराम जी के पावन जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर मंदिर प्रांगण से विशाल शोभा यात्रा जुलूस नगर के प्रमुख मार्गो से होकर

नाका चौराहा तक निकल गया। सभी उपस्थित विप्र समाज जन धर्म ध्वज लेकर डीजे ध्वनि के साथ चलते रहे सभी ब्राह्मण जन भगवान परशुराम जी का जय घोष नारा लगाते रहे। भगवान परशुराम जी के जन्मोत्सव कार्यक्रम एवं विशाल शोभा यात्रा जुलूस में पवित्र नगरी अमरकंटक के ब्राह्मण समाज के पं धनेश द्विवेदी पं उमेश द्विवेदी पं उत्तम द्विवेदी पं राजेश द्विवेदी पं रुपेश द्विवेदी पं अभिषेक द्विवेदी कान्हा पं राधेश्याम उपाध्याय पं रामनरेश शास्त्री पं योगेश दुबे पं रोहित लाल त्रिपाठी पं लखन द्विवेदी पं प्रकाश द्विवेदी पं आकाश द्विवेदी पं अश्वनी तिवारी पं मुनीष पांडेय पं उमाशंकर पांडेय पं श्रवण उपाध्याय पं अंबिका तिवारी पं जितेंद्र तिवारी पं राजहंस तिवारी पं अभिषेक त्रिपाठी पं बिहारी लाल तिवारी पं अभिषेक द्विवेदी पं कमलेश द्विवेदी पं आनंद तिवारी पं धनंजय तिवारी पं राजहंस तिवारी पं मारकंडेय शर्मा पं शिव प्रसाद त्रिपाठी पं रविशंकर तिवारी पं अंजय तिवारी पं कमलेश तिवारी पं सुनील द्विवेदी पं उमाशंकर मिश्रा पं अंजनी मिश्रा पं सनत पांडे पं शैलेंद्र तिवारी अंकुर गौतम तथा मृत्युंजय आश्रम के बालक विप्र शामिल एवं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के लिए अमरकंटक पुलिस थाना का सुरक्षा बल पूरे समय तैनात रहा सुरक्षा व्यवस्था में उप निरीक्षक पी एस बघेल सहायक उप निरीक्षक ईश्वर यादव रवि पटेल आदि सभी शामिल रहे।

समाचार संकलन को लेकर नगर परिषद में महिला पत्रकार से अभद्रता

पत्रकारों ने सौंपा ज्ञापन, थाना प्रभारी ने दिया कार्यवाही का आश्वासन

अनूपपुर हरिभूमि न्यूज । नगर परिषद बनगवां (राजनगर)/ व डोला मे संविलियन भर्ती को लेकर समाचार संकलन के लिए परिषद पहुंची महिला पत्रकार सुमिता शर्मा के साथ बनगवां महिला कर्मचारी व नगर परिषद डोला के पुरुष कर्मचारी द्वारा अभद्रता की गई। जिस पर महिला पत्रकार सुमिता शर्मा के साथ हुए दुर्व्यवहार एवं धमकी की शिकायत दी गई। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि इस क्षेत्र में कार्यरत समस्त पत्रकारगण, अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा, सत्यनिष्ठा और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ करते हैं, किंतु यह अत्यंत खेदजनक एवं चिंताजनक है, कि हमारे बीच की एक वरिष्ठ एवं महिला पत्रकार सुमिता शर्मा के साथ हाल ही में दो अलग-अलग घटनाओं में न केवल अभद्रता की गई। बल्कि उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित भी किया गया। 28 अप्रैल को जब सुमिता शर्मा नगर परिषद बनगवां में संविलियन भर्ती से संबंधित समाचार संकलन हेतु गई थीं। तब वहाँ उपस्थित संविलियन कर्मचारी शिखा गौतम, प्रतिभा शर्मा एवं दो अन्य महिलाओ द्वारा उनके साथ आपत्तिजनक व्यवहार किया गया। साथ ही इसके ठीक अगले दिन 29 अप्रैल को डोला नगर परिषद में संविलियन कर्मचारी अभिषेक तिवारी द्वारा भी उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया। जो न केवल अत्यंत निंदनीय है, बल्कि महिला सुरक्षा और प्रेस स्वतंत्रता के मूल अधिकारों का घोर उल्लंघन भी है। इन घटनाओं ने न केवल सुमिता शर्मा की गरिमा को ठेस पहुंचाई है, बल्कि समस्त पत्रकार साथियों में भय और असुरक्षा का माहौल उत्पन्न कर दिया है। यह स्थिति लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रेस की स्वतंत्रता पर सीधा प्रहार है। उपरोक्त घटनाओं का संज्ञान लेते हुए शीघ्र अतिशीघ्र आरोपियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर सख्त जांच एवं विधिसम्मत कार्यवाही की जाए। ताकि भविष्य में किसी भी पत्रकार को अपने दायित्वों के निर्वहन में भय या दबाव का सामना न करना पड़े। साथ ही, संबंधित महिला पत्रकार की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

इनका कहना है

पत्रकारों द्वारा ज्ञापन दिया गया है, परिषद से जानकारी एकत्रित की जाएगी साथ ही दोषी पाए जाने पर संबंधित लोगों पर कार्यवाही की जाएगी।

सुमित कौशिक
थाना प्रभारी रामनगर

बाल विवाह रोकने के लिए अक्षय तृतीया को चलाया गया जागरूकता अभियान

अनूपपुर हरिभूमि न्यूज । माननीय मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर एवं माननीय श्रीमती माया विश्वलाल, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अनूपपुर के निर्देशानुसार विनोद कुमार वर्मा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं बृजेश पटैल जिला विधिक सहायता अधिकारी द्वारा पुलिस प्रशासन, महिला एवं बाल विकास, लीगल एड डिफेंस काउंसिल, पैरालीगल वालेंटियर्स तथा पैनल अधिवक्ता के सहयोग से नालसा (बच्चों के लिए बाल-अनुकूल कानूनी सेवाएं) योजना, 2024 के

अंतर्गत बाल विवाह रोकने के लिए अक्षय तृतीया 30.04.2025 को कानूनी सहायता दल द्वारा एक विशेष एक दिवसीय जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत विनोद कुमार वर्मा सचिव एवं बृजेश पटेल जिला विधिक सहायता अधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत मोहरी, परसवार, चिल्हारी, सकरा, मड़यिरास, धिरौल, खम्हरिया, पटना, देवहरा एवं जमुड़ी इत्यादि ग्रामों का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान बाल विवाह रोकने के संबंध में आमजन को समझाईश दी गई। भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायत मोहरी एवं परसवार में दो परिवारों में नाबालिक जोड़ों का विवाह 02.05.2025 एवं 05.05.2025 को होना पाया गया। उन परिवारों को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के सहयोग से कम उम्र में बच्चों का विवाह न करने की समझाईश दी गई। जिसे परिवारजन ने मानकर दो माह बाद, बच्चों के कानूनी रूप से बालिग होने पर विवाह करने को राजी हुए। उपरोक्त जागरूकता भ्रमण के दौरान लीगल एड डिफेंस काउंसिल रामकृष्ण सोनी, पैरालीगल वालेंटियर महेन्द्र श्रीवास्तव एवं संबंधित ग्रामों के सरपंच एव सचिव, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका उपस्थित रही।

कल्पवृक्ष के मृदा क्षरण को रोकने किया गया गेवियन संरचना का निर्माण

अनूपपुर हरिभूमि न्यूज । जिले के जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत कोयलारी के ग्राम सिवनी संगम में नर्मदा नदी के तट पर पौराणिक कल्पवृक्ष स्थित है नर्मदा नदी के तट पर होने के कारण कल्पवृक्ष के मेढ की मिट्टी नर्मदा नदी में बहाव अधिक होने से कल्पवृक्ष को मृदा क्षरण से खतरा उत्पन्न हो गया था। पौराणिक मान्यता व जन आस्था के कारण कल्पवृक्ष का अत्यंत महत्व है जिसे दृष्टिगत रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा इसके संरक्षण संवर्धन के प्रयास प्रारंभ किए गए अब कल्पवृक्ष मे मृदा क्षरण को रोकने होने के लिए व्यवस्थित संरचना बनाई गई है। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने बताया है कि वित्तीय वर्ष 2023- 24 में ग्रेवियन संरचना निर्माण कार्य की स्वीकृति दी गई थी जिसकी स्वीकृति लागत 73 लाख थी वर्तमान में यह कार्य पूर्ण हो चुका है कल्पवृक्ष की सुरक्षा के लिए गेवियन संरचना निर्माण हो जाने से पौराणिक व जन आस्था के केंद्र कल्पवृक्ष को सुरक्षित किया गया है साथ ही उक्त ग्राम के मृदा क्षरण को रोककर ग्रामीणों की जमीन को सुरक्षित करने का भी कार्य किया गया है।

न्यायालय अमन दीप सिंह छावड़ा अतिरिक्त व्यवहार न्यायाधीश वर्ग - 02 कोतमा, जिला-अनूपपुर (म.प्र.)

01 मुन्ना उर्फ गोपाल प्रसाद मिश्रा पिता स्व. भीखम राम निवासी ग्राम मझौली थाना भालूमाड़ा, तहसील कोतमा जिला अनूपपुर (म.प्र.)........................वादी

बनाम

01 श्रीमती सरोज पाण्डेय पति जयप्रकाश पाण्डेय वगैरह............................प्रतिवादीगण

दावा दीवानी वास्ते घोषणा
ईश्तहार

एतदद्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वादी के द्वारा इस न्यायालय के समक्ष श्रीमती सरोज पाण्डेय पति जयप्रकाश पाण्डेय वगैरह में ग्राम मझौली तहसील कोतमा जिला अनूपपुर (म.प्र.) में स्थित वादभूमि स्वत्व घोषणा एवं स्थायी निषेधाज्ञा के संबंध में दावा प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्रतिवादी क्र. 05 संतोष कुमार पाठक पिता मनमोहन राम पाठक निवासी भालूमाड़ा लाईन दफाई वार्ड नं. 16 जिला अनूपपुर (म.प्र.) को पक्षकार संयोजित किया गया है। जो के संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था या निकाय या अन्य किसी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति या विसंगतियां हो तो तत्संबंध में इस न्यायालय के सुनवाई क्षेत्राधिकार के तहत नियत तारीख पेशी 02/07/25 के पूर्व अपनी आपत्ति अपने समस्त दस्तावेजो सहित स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर अपनी बात रख सकते है। समयावधि में आपत्ति न आने की स्थित में नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी।

यदि उक्त दिवस को किसी कारण वश अवकाश घोषित होता है तो उक्त कार्यवाही आगामी कार्य दिवस पर होगी।

आज दिनांक 29/04/25 को मेरे आदेश व निर्देशानुसार नोटिस पर अपने हस्ताक्षर व पद मुद्रा से जारी किया गया।

(मुद्रा) **(अमन दीप सिंह छावड़ा)**
अतिरिक्त व्यवहार न्यायाधीश वर्ग- 02 कोतमा, जिला- अनूपपुर (म.प्र.)

दो दिनों से गोबरी के जंगल में हाथियों ने जमाया डेरा

रात भर चकमा देते किसानों की फसलों को बनाया आहार

अनूपपुर हरिभूमि न्यूज । तीन हाथियों को समूह विगत दो दिनों से गोबरी के जंगल में दिन में ठहरने बाद रात होते ही खाने की तलाश में ग्रामीणों के खेतों में लगी फसलों को वनविभाग के गस्ती दल एवं ग्रामीणों को चकमा देते हुए चुपचाप खेतों में पहुंचकर फसलों को आहार बनाते हुये सुबह होते ही बुधवार को फिर से गोबरी के जंगल में पहुंचकर विश्राम कर रहे हैं। तीन हाथियों का समूह विगत एक माह से अधिक समय से छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा को पार करते हुए अनूपपुर जिले के जैतहरी, अनूपपुर से राजेंद्रग्राम इलाके में घूमते-फिरते हुए 3 दिन पूर्व एक बार फिर से जैतहरी तहसील के इलाके में वापस पहुंचकर विचरण कर रहे हैं। हाथियों द्वारा दिनों में जंगल में ठहरने बाद रात होते ही हाथी गस्ती दल में लगे वनविभाग के अधिकारियों कर्मचारियों, गामीणो को चकमा देते हुए नए-नए

क्षेत्रों में पहुंचकर खेतो में लगी फसलों को अपना आहार बना रहे हैं विगत तीन दिन पूर्व राजेन्द्रग्राम के इलाके से वन परिक्षेत्र जैतहरी के बैहार वन बीट के जंगल में दिन में ठहरने बाद देर शाम होने पर तीनों हाथी गिरवी गांव के जंगल से बैहार के बंजारीघाट से उतर कर बैहार के दोखहाटोला के किनारे से ग्राम पंचायत गौरेला के ठेही गांव में स्थित प्राकृतिक एवं धार्मिक स्थल आरदा के समीप से बड़काटोला होते हुए वन परिक्षेत्र, थाना एवं तहसील अनूपपुर के अंतर्गत ग्राम केकरपानी के दुआहीटोला, बांका से कुदुरझोरी नाला पार कर मंगलवार की सुबह ग्राम पंचायत एवं वन बीट गोबरी के झुरहीतलैया नामक अपने अस्थाई रहवास स्थल के जंगल मे पहुंचकर विश्राम करते हुए गोबरी के ठाकुरबाबा के पास से जैतहरी-राजेंद्रग्राम मुख्य मार्ग पर कुछ देर के लिए पहुंच कर वापस झुरहीतलैया जंगल में दिनभर विश्राम करते रहे। तीनों हाथी मंगलवार की शाम जंगल से निकलकर वन परिक्षेत्र अनूपपुर के दुधमनिया बीट अंतर्गत ग्राम पंचायत पगना के शक्तीकुण्डी से ग्राम पगना के जल्दाटोला बांध के समीप देर रात सभी को चकमा देते हुए नरेश सिंह एवं भूपेंद्र सिंह के खेतों में लगी धान की फसल को पूरे शांत माहौल में रात भर आहार बनाते हुए बुधवार की सुबह होते-होते शक्तिकुंडी के जंगल से बडवार नाला पार कर दूसरे दिन गोबरी के झुरहीतलैया के जंगल में विश्राम कर रहे हैं। हाथियों द्वारा दो दिनों तक किसी भी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाया गया किंतु मंगलवार की रात सभी को चकमा देते हुए पगना के जल्दाबांध के समीप दो किसानों के खेतों में लगी धान को शांतिपूर्ण तरीके से रात भर खाते रहे हैं विगत दो-तीन दिनों से मौसम में आए बदलाव एवं तेज पानी गिरने के कारण अधिकांश ग्रामीण खेतों में बने झोपड़ी में ठहरने की अपेक्षा बीच गांव में रात बिता रहे हैं जिसका पूरा फायदा तीनों हाथी उठा रहे हैं, सोमवार एवं मंगलवार की रात वनविभाग एवं ग्रामीणों के द्वारा रात-रात भर हाथियों विचरण की तलाश में लगा रहा किंतु हाथी नए-नए स्थान पर पहुंचकर स्वतंत्र रूप से विचरण करते रहे, हाथियों के विचरण की जानकारी नहीं मिल पाने ग्रामीणों द्वारा अपने खेत एवं अन्य स्थानों में विद्युत लाइन खींचे जाने पर हाथियों की सुरक्षा को देखते हुए विद्युत आपूर्ति बंद रखी जा रही है जिससे ग्रामीण विद्युत आपूर्ति बंद होने के कारण परेशान एवं नाराज होते दिखते हैं जबकि सुबह होने पर ही रात में हाथियों के विचरण की जानकारी मिल पा रही है।